

भ्रसाधाररा

# **EXT**RAORDINARY

भाग II--- खण्ड 3---- उपखण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं∘ 319]

नई विल्ली, बुधवार, सिंध बर 2, 1970/भात 11, 1892

No. 319]

NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 2, 1970/BHADRA 11, 1892

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रसग संकलन के रूप में रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### MINISTRY OF FOREIGN TRADE

#### ORDER

New Delhi, the 2nd September 1970

S.O. 2969.—Whereas by the Order of the Government of India in the late Ministry of Commerce and Industry No. S.O. 581, dated the 4th March, 1963, read with the Orders of the Government of India in the late Ministry of Commerce No. S.O. 816, dated the 4th March, 1968, in the late Ministry of Foreign Trade and Supply (Department of Foreign Trade) No. S.O. 922, dated the 3rd March, 1969, and in the Ministry of Foreign Trade No S.O. 835. dated the 28th February, 1970, the management of the industrial undertaking known as the Pratap Spinning. Weaving and Manufacturing Company Limited, Amalner (Maharashtra), had been taken over by the Authorised Controller referred to in the Order first mentioned above for a period upto and inclusive of the 3rd September, 1970:

And whereas the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking by the said Authorised Controller should continue for a further period of three months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65

of 1951), the Central Government hereby directs that the Order first mentioned above shall continue to have effect for a further period upto and inclusive of the 3rd December, 1970.

[No. F.13(1)Tex(G)/68-I.]

## विशेशी व्यापार मन्नान्य

## **चारे**श

नई दिल्ली, 2 सितम्बर, 1970

का॰ आ॰ 2969—यतः भारत सरकार के भूतर्व वाणिज्य मंत्रालय के प्रावेश संख्या का॰ आ॰ 816, दिनांक 4 मार्च, 1968, भूतर्व विदेशी व्यापार तथा आपूर्ति मन्नालय (विदेशी व्यापार विभाग) के आ॰ का॰ संख्या 922, दिनांक 3 मार्च, 1969 ग्रौर विदेशी व्यापार मन्नालय के आदेश सं॰ का॰ आ॰ 835 दिनांक 28 फरवरी, 1970 के साथ पठित भारत सरकार के भूतर्थ वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय के आदेश स॰ का॰ आ॰ 581, दिनांक 4 मार्च, 1963 द्वारा प्रताप स्थिनिंग, वीकिंग एण्ड मैन्यूफैक्यरिंग कम्पनी लिमिटेड ग्रमालनेर (महाराष्ट्र) नामक श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रवन्ध कपर विश्वत श्रन्तिम ग्रादेश में निदिष्ट प्राधिकृत नियंत्रक द्वारा 3 मितम्बर, 1970 तक की कालावधि के लिये, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलत है, ले लिया गया था ;

श्रीर यत: केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ोक हित में यह समीचीन है कि उक्त श्रीध-कृत नियंबक द्वारा उस श्रीद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध तीस मास की श्रतिरिक्स कालावधि के लिये बना रहना चाहिए।

श्रतएव श्रव उद्योग (विकास श्रीर विनियमन ) श्रिधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18क की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रवस शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह निदेश देती है कि ऊपर वर्णित श्रन्तिम श्रादेश 3 दिसम्बर, 1970 की कालावधि तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिनित है, प्रभावी बना रहेगा।

[सं० फा० 13 (1)-वस्त (जी)
$$/68 - 1$$
]

S.O. 2970.—In exercise of the powers conferred by Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), and in continuation of the Orders of the Government of India in the late Ministry of Commerce Nos. S.O. 2082, dated the 10th June, 1968, S.O. 4652, dated the 30th December, 1968, in the late Ministry of Foreign Trade and Supply (Department of Foreign Trade) No. S.O. 923, dated the 3rd March, 1969, and in the Ministry of Foreign Trade No. S.O. 836, dated the 28th February, 1970, the Central Government hereby extends the term of Shri T. G. Chowdhari for a further period upto and inclusive of the 3rd December, 1970.

[No. F. 13(1)-Tex(G)/68-II.] C. S. RAMACHANDRAN, Addl. Secy.

का॰ आ॰ 2970.—उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 क द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के भूतपूर्व वाणिज्य मंत्रालय के आदेश संख्या का॰ आ॰ 2082, दिनांक 10 जून, 1968, का॰ आ॰ 4652, दिनांक 30 दिसम्बर, 1968 और भूतपूर्व वाणिज्य तथा आपूर्ति मंद्रालय (विदेशी व्यापार विभाग ) के

आपेश संख्या का० आ० 923, दिनांक 3 मार्च, 1969 तथा विशेशी व्यापार मंत्रालय के आदेश सं० का० आ0 836 दिनांक 28 फरवरी, 1970 के ऋम में, केन्द्रीय सरकार एतवड़ारा श्री टी० जी० मोधरी की पदागिध को 3 दिसम्बर, 1970 तक, जिसमें यह तारीख भी मामिल है, की अवधि के लिए बढ़ाती है।

[सं॰ फा॰ 13 (1)—टैक्स (जी)/68—II] सी॰ एस॰ रामचन्त्रम, श्रपर सचिव ।